महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)

जनसंपर्क कार्यालय

PUBLIC RELATIONS OFFICE

आज़ादी का अमृत महोत्सव

हिंदी विवि में 'उच्च शिक्षा में समाज कार्य : रोज़गार की संभावनाएँ' विषय पर हुआ ऑनलाइन व्याख्यान

वर्धा, 04 अक्टूबर 2024: महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय के दूर शिक्षा निदेशालय में 18 सितम्बर को "उच्च शिक्षा में समाज कार्य : रोज़गार की संभावनाएँ" विषय पर ऑनलाइन व्याख्यान आयोजित किया गया। व्याख्यान में वक्ता के रूप में विश्वविद्यालय के प्रबंधन विद्यापीठ के अधिष्ठाता एवं वर्धा समाज कार्य संस्थान के प्रोफेसर बंशीधर पाण्डेय उपस्थित थे। कार्यक्रम में दूर शिक्षा एवं नियमित माध्यम के पूर्व विद्यार्थी ने सहभागिता की। कार्यक्रम का प्रारंभ विश्वविद्यालय के कुलगीत से हुआ।

प्रोफेसर बंशीधर पाण्डेय का स्वागत निदेशालय के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. अनवर अहमद सिद्दीकी ने तथा परिचय निदेशालय के एसोशिएट प्रोफेसर डॉ. शंभू जोशी ने दिया। अपने व्याख्यान में प्रो. पाण्डेय ने समाज कार्य विषय की कॅरियर संबंधी संभावनाओं पर विस्तृत प्रकाश डाला। उन्होंने रेखांकित किया कि एक विषय के रूप में समाज कार्य की शुरुआत 1898 में कोलंबिया विश्वविद्यालय में हुई। हालांकि विषय से इतर सेवा रूप में समाज कार्य के स्रोत प्राचीन मानवीय समाजों से निरंतर विद्यमान रहे हैं। वर्तमान में जिस व्यावसायिक समाज की चर्चा की जाती है उसका इतिहास 100-150 वर्ष पुराना ही है। भारत में इस तरह के प्रयास की शुरुआत 1936 से प्रारंभ हुई। उन्होंने कॅरियर एवं जॉब के बीच अंतर को रेखांकित किया कि इस विषय में जॉब (रोजगार) आसानी से मिल जाता है परंतु यदि कॅरियर के रूप में इसे अपनाना है तो व्यवस्थित योजना, अध्ययन एवं प्रयास की आवश्यकता है। समाज कार्य के विद्यार्थी के लिए फील्ड का अनुभव अनिवार्य है क्योंकि फील्ड का अनुभव उसे नीति-निर्माण एवं क्रियान्वयन में काफी सहायक होता है। समाज कार्य की विशेषता है कि यह विषय अनुशासन के साथ-साथ अभ्यास आधारित भी है अतएव समाज कार्य कॅरियर की दृष्टि से बहुत समृद्ध है।

प्रो. पाण्डेय ने परिवार एवं बाल कल्याण, चिकित्सीय समाज कार्य, वृद्धों के लिए समाज कार्य, मनोचिकित्सीय समाज कार्य, सार्वजनिक स्वास्थ्य समाज कार्य, मानव संसाधन समाज कार्य, अनुसंधान कार्य, कॉरपोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व, सरकारी संस्थाओं, शहरी

पोस्ट हिंदी विश्वविद्यालय, गांधी हिल्स, वर्धा-442001 (महाराष्ट्र), भारत
ई-मेल/E-mail: mgahvpro@gmail.com, वेबसाइट/Website: www.hindivishwa.org
दूरभाष : +91-7152-252651 मोबाइल/Mobile : 9960562305

एवं ग्रामीण विकास, दिव्यांगता आदि क्षेत्रों का विस्तार से उल्लेख कर इंगित किया कि विद्यार्थी इन क्षेत्रों में अपना कॅरियर बना सकते हैं। विभिन्न क्षेत्रों का उल्लेख कर प्रो. पाण्डेय ने उन कुशलताओं की चर्चा की जो उन्हें कॅरियर में सहायता कर सकते हैं। इनमें तदानुभूति, संवाद कुशलता, सांस्कृतिक दक्षता, समस्या निवारण, वकालत, समूह भावना, आलोचनात्मक चिंतन, सकारात्मकता, संगठनात्मक कौशल, धैर्य, नैतिक निर्णय, भावनात्मक दृढ़ता,अंतरपारस्परिक संबंध निर्माण, प्रोजेक्ट प्रपोजल एवं रिपोर्ट निर्माण,तकनीकी ज्ञान, सोशल मीडिया कुशलता, संसाधन जुटाने की कला इत्यादि महत्त्वपूर्ण हैं। विद्यार्थियों को कड़ी मेहनत के माध्यम से इन कुशलताओं को सीखना चाहिए। व्याख्यान के बाद ऑनलाइन जुड़े विद्यार्थियों ने अपनी जिज्ञासाएँ वक्ता के सम्मुख रखीं और वक्ता द्वारा उनका उत्तर प्रदान किया गया। संयोजक डॉ. शंभू जोशी ने आभार माना। इस अवसर पर डॉ. अनवर अहमद सिद्दीकी, डॉ. शिवाजी जोगदंड, डॉ. परिमल प्रियदर्शी, डॉ. आदित्य चतुर्वेदी, डॉ. गुणवंत सोनोने, डॉ. तक्षा शंभरकर सहित दूर शिक्षा निदेशालय के सहायक क्षेत्रीय निदेशक डॉ. प्रकाश नारायण त्रिपाठी, अरविन्द कुमार, सचिन सोनी, गुरूदास उघडे, राधा ठाकरे, आयुषा वानखेडे, रोहिणी गायकवाड़, वैशाली, प्रणीता आदि उपस्थित थे।

मराठी :

हिंदी विद्यापीठात 'उच्च शिक्षणातील सामाजिक कार्य: रोजगाराच्या शक्यता' विषयावर ऑनलाइन व्याख्यान

वर्धा, 04 ऑक्टोबर 2024: महात्मा गांधी आंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालयाच्या दूर शिक्षण निदेशालयात 18 सप्टेंबर रोजी "उच्च शिक्षणातील सामाजिक कार्य: रोजगाराच्या संधी शक्यता" या विषयावर ऑनलाइन व्याख्यान आयोजित करण्यात आले. या व्याख्यानात वक्ते म्हणून विविचे प्रबंधन विद्यापीठाचे अधिष्ठाता एवं वर्धा समाज कार्य संस्थेचे निदेशक प्रो. बंशीधर पांडे उपस्थित होते.

प्रो. बंशीधर पांडे यांचे स्वागत निदेशालयाचे सहायक प्रो. डॉ.अनवर अहमद सिद्दीकी यांनी केले व परिचय असोशिएट प्रोफेसर डॉ. शंभू जोशी यांनी केला. प्रो. पांडे म्हणाले की सामाजिक कार्य हा विषय म्हणून 1898 मध्ये कोलंबिया विश्वविद्यालयात उद्भवला. तथापि विषय कोणताही असो, सेवेच्या स्वरूपात सामाजिक कार्याचे स्त्रोत प्राचीन मानवी समाजापासून अखंडपणे अस्तित्वात आहेत. आज ज्या व्यापारी समाजाची चर्चा होत आहे, त्याचा इतिहास केवळ 100-150 वर्षांचा आहे. भारतात असे प्रयत्न 1936 मध्ये सुरू झाले. या विषयातील नोकरी सहज उपलब्ध आहे, पण ती करिअर म्हणून स्वीकारायची असेल तर पद्धतशीर नियोजन, अभ्यास आणि प्रयत्नांची गरज आहे. सामाजिक कार्य विद्यार्थ्यांसाठी फील्ड अनुभव आवश्यक आहे कारण फील्ड अनुभव धोरण तयार करण्यात आणि अंमलबजावणीसाठी खूप उपयुक्त आहे.

प्रो. पांडे यांनी कुटुंब आणि बालकल्याण, वैद्यकीय सामाजिक कार्य, वृद्धांसाठी सामाजिक कार्य, मनोरुग्ण सामाजिक कार्य, सार्वजनिक आरोग्य सामाजिक कार्य, मानव संसाधन सामाजिक कार्य, संशोधन कार्य, कॉर्पोरेट सामाजिक जबाबदारी, सरकारी संस्था, शहरी आणि ग्रामीण विकास या क्षेत्रात विद्यार्थी आपले करिअर घडवू शकतात याकडे लक्ष वेधले. सहानुभूती, संवाद कौशल्य, सांस्कृतिक प्रवीणता, समस्या सोडवणे, वकिली, समूह भावना, गंभीर विचार, सकारात्मकता, संस्थात्मक कौशल्ये, संयम, नैतिक निर्णय, भावनिक शक्ती, परस्पर संबंध निर्माण, प्रकल्प प्रस्ताव आणि अहवाल तयार करणे, तांत्रिक ज्ञान, सोशल मीडिया ही कौशल्ये विद्यार्थ्यांनी कठोर परिश्रमातून आत्मसात केली पाहिजेत असे ही ते म्हणाले. संयोजक डॉ. शंभू जोशी यांनी आभार मानले. यावेळी डॉ. अनवर अहमद सिद्दीकी, डॉ. शिवाजी जोगदंड, डॉ. परिमल प्रियदर्शी, डॉ. आदित्य चतुर्वेदी, डॉ. गुणवंत सोनोने, डॉ.तक्षा शंभरकर यांच्यासह दूर शिक्षण निदेशालयाचे सहायक क्षेत्रीय निदेशक डॉ. प्रकाश नारायण त्रिपाठी, डॉ. अरविंद कुमार, सचिन सोनी, गुरुदास उघडे, राधा ठाकरे, आयुषा वानखेडे, रोहिणी गायकवाड, वैशाली, प्रणिता आदी उपस्थित होते.

नमस्कार !

मा. संपादक/संवाददाता महोदय, कृपया संलग्न समाचार को प्रकाशित कर अनुगृहीत करने का कष्ट करें।

सादर धन्यवाद।